झूठ मत बोलो!

इस कारण झूठ बोलना छोड़कर
हर एक अपने पड़ोसी से सच बोले,
क्योंकि हम आपस में एक
दूसरे के अंग हैं। इफिसियों 4:25
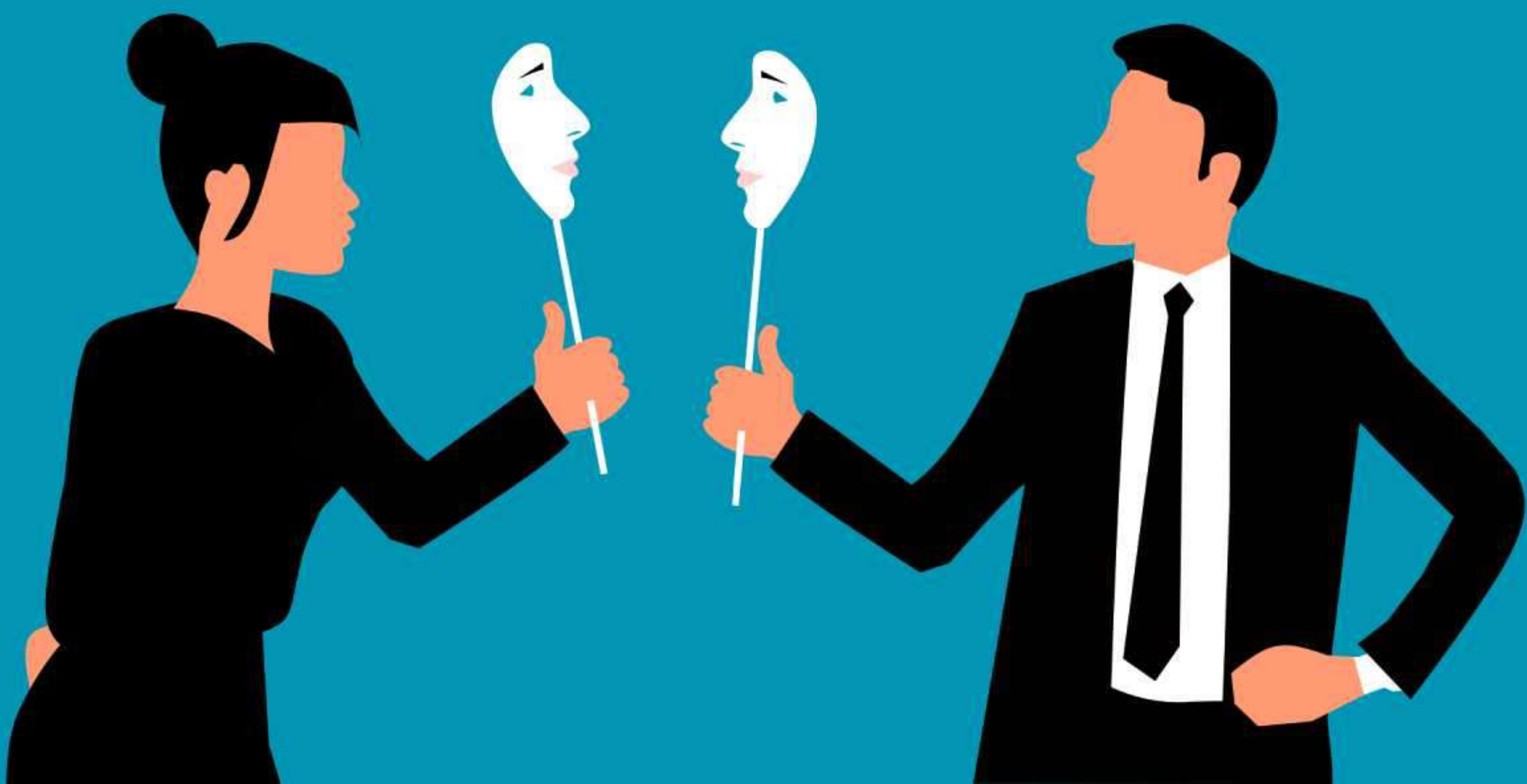
तू अपने पड़ोसी के विरुद्ध झूठी साक्षी न देना। निर्गमन 20:16
जो झूठे घमण्ड को देखते हैं, वे अपक्की ही करूणा से दूर रहते हैं। योना 2:8
किसी मनुष्य को बुराई का बदला बुराई से न दो। जो बातें सब मनुष्योंके साम्हने सच्ची हों उन्हें प्रदान करो। हम ईमानदारी से चलें, जैसा कि दिन में होता है; न तो बलवे और मतवालेपन में, न छेड़खानी और बेहूदगी में, न झगड़े और डाह में।
रोमियों 12:17; 13:13
न केवल प्रभु की दृष्टि में, परन्तु मनुष्यों की दृष्टि में भी सच्ची बातों की व्यवस्था करना।
2 कुरिन्थियों 8:21
निदान, भाइयो, जो जो बातें सत्य हैं, और जो जो बातें सत्य हैं, उन पर ध्यान किया करो।
फिलिप्पियों 4:8
...सभी भक्ति और ईमानदारी में एक शांत और शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत करें।
1 तीमुथियुस 2:2

...सभी बातों में ईमानदारी से जीने के इच्छुक हैं। इब्रानियों 13:18
जो यह कहता है, कि मैं उसे जानता हूं, और उस की आज्ञाओं को नहीं मानता, वह झूठा है, और उस में सच्चाई नहीं। झूठा कौन है सिवाय उसके जो यीशु के मसीह होने का इन्कार करता है? वह मसीह का विरोधी है, जो पिता और पुत्र का इन्कार करता है।
1 यूहन्ना 2:4,22
यदि कोई कहे, कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूं, और अपके भाई से बैर रखता है, तो वह झूठा है; क्योंकि जो अपके भाई से जिसे उस ने देखा है प्रेम नहीं रखता, वह परमेश्वर से जिसे उस ने नहीं देखा प्रेम कैसे कर सकता है? और उस से हमें यह आज्ञा मिली है, कि जो कोई परमेश्वर से प्रेम रखता है, वह अपके भाई से भी प्रेम रख। 1 यूहन्ना 4:20-21
जो झूठी व्यर्थ वस्तुओं पर मन लगाते हैं, उन से मैं घृणा करता हूं, परन्तु मेरा भरोसा यहोवा पर है। झूठ बोलनेवाले के होठों को चुप कर दिया जाए; जो घमण्ड से और घमण्ड से धर्मियों की निन्दा करते हैं। भजन 31:6,18

क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो यहोवा पर भरोसा रखता है, और अभिमानियोंऔर झूठ की ओर फिरनेवालोंका मुंह नहीं देखता। भजन 40:4
...झूठ बोलने वालों का मुंह बन्द किया जाएगा। वह जो छल करता है वह मेरे घर के भीतर न रहने पाएगा; जो झूठ बोलता है वह मेरे साम्हने स्थिर न रहेगा।
भजन 63:11; 101:7
मुझ से झूठ के मार्ग को दूर कर, और अपनी व्यवस्था कृपा करके मुझे दे। मैं झूठ से तो घृणा और घिन करता हूं, परन्तु तेरी व्यवस्था से प्रीति रखता हूं। भजन 119:29,163
हे यहोवा, मेरे प्राण को झूठे होठों से, और छली जीभ से छुड़ा। भजन 120:2

यहोवा इन छ: वस्तुओं से घृणा करता है, वरन सात से उसको घिन आती है: घमण्ड भरी दृष्टि, झूठी जीभ, और निर्दोष का लोहू बहानेवाले हाथ, अनर्थ कल्पना गढ़नेवाला मन, अनर्थ करने को वेग दौड़नेवाले पांव, झूठा साक्षी जो झूठ बोलता है, और वह जो भाइयों के बीच में कलह बोता है। नीतिवचन 6:16-19
जो झूठ बोलने वाले होठों से बैर को छिपाता है, और जो निन्दा करता है, वह मूर्ख है। बहुत बातें करने से पाप नहीं होता, परन्तु जो अपके मुंह को रोकता है, वह बुद्धिमान है। धर्मी की जीभ उत्तम चान्दी के समान होती है; दुष्टों के मन की कोई कीमत नहीं।
नीतिवचन 10:18-20

धर्मियों की कल्पनाएँ ठीक होती हैं, परन्तु दुष्टों की युक्ति छल की होती है। जो सच बोलता है, वह धर्म प्रगट करता है, परन्तु जो झूठी साक्षी देता, वह छल को प्रगट करता है। वहाँ वह तलवार की तरह चुभती है, परन्तु बुद्धिमान की जीभ स्वास्थ्य है। सत्य का वचन सदा बना रहता है, परन्तु झूठ पल भर का होता है। बुराई की कल्पना करनेवालोंके मन में छल रहता है, परन्तु मेल की युक्ति करनेवालोंको आनन्द होता है। धर्मी पर कोई विपत्ति न पड़ेगी, परन्तु दुष्ट विपत्ति से भर जाएगा। यहोवा के लिथे झूठ बोलनेवाले से घिन आती है, परन्तु जो सच्चाई से काम करता है, उस से वह प्रसन्न होता है। नीतिवचन 12:5,17-22

धर्मी झूठ बोलने से घृणा करता है, परन्तु दुष्ट घिनौना और लज्जित होता है।
नीतिवचन 13:5
सच्चा गवाह झूठ नहीं बोलता, परन्तु झूठा गवाह झूठ बोलता है। अपने मार्ग को समझना चतुर की बुद्धि है, परन्तु मूर्खों की मूढ़ता छल है। सच्चा साक्षी प्राणों का उद्धार करता है, परन्तु छल से साक्षी झूठ बोलता है। नीतिवचन 14:5,8,25
दुष्ट कर्ता झूठे होठों पर कान लगाता है; और झूठा अपक्की जीभ पर कान लगाता है। उत्कृष्ट भाषण मूर्ख नहीं होता: झूठ बोलने वाला राजकुमार तो बिल्कुल नहीं होता।
नीतिवचन 17:4,7
जो कंगाल अपनी खराई पर चलता है, वह उस से उत्तम है, जो टेढ़ी बातें बोलता और मूर्ख है। झूठा साक्षी निर्दोष न ठहरेगा, और जो झूठ बोलता है वह न बचेगा। झूठा साक्षी निर्दोष न ठहरेगा, और जो झूठ बोलता है वह नाश होगा। मनुष्य की इच्छा उसकी करूणा है, और कंगाल झूठ बोलनेवाले से उत्तम है। नीतिवचन 19:1,5,9,22

छल की रोटी मनुष्य को मीठी लगती है; परन्तु बाद में उसका मुंह बजरी से भर जाएगा।
नीतिवचन 20:17
झूठी जीभ से धन प्राप्त करना व्यर्थ है, जो मृत्यु को ढूंढ़ने वालों के आगे-पीछे उछाला जाता है। नीतिवचन 21:6
जो बैर रखता है वह अपके मुंह से झूठ बोलता है, और अपके मन में छल रखता है; जब वह सीधी बात कहे, तब उसकी प्रतीति न करना, क्योंकि उसके मन में सात घिनौनी वस्तुएं रहती हैं। जिसका बैर छल से ढंप गया है, उसकी दुष्टता सारी मण्डली के साम्हने प्रगट की जाएगी। जो गड़हा खोदे वही उसी में गिरेगा, और जो पत्थर लुढ़काएगा वह उसी पर लौट आएगा। झूठ बोलनेवाली जीभ उन से घृणा करती है जो उससे पीड़ित हैं; और चापलूसी करनेवाला मुँह बिगाड़ देता है। नीतिवचन 26:24-28
कानाफूसी करनेवाला न कहलाना, और अपक्की जीभ से घात में न बैठना;
सभोपदेशक 5:14